www.prepp.in

UGC NET PAPER 3 DECEMBER 28, 2008 SHIFT 1 SOCIOLOGY QUESTION PAPER

D – 0508

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each question carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

The 'pioneers' of Indian Sociology during the 1920s and 1930s were not only exposed to the British and European academic cultures but were also influenced deeply by the emerging nationalist consciousness. This is reflected in their contributions and more importantly in their questioning of the various presuppositions of Western Sociology's interpretation of the Indian reality. For instance, most of them challenged the validity of looking at Indian institutions from a universal evolutionary schematization neglecting its historical specificity and civilizational depth. Others found serious limitations in attempts to analyse Indian social structure from an atomistic-individualistic frame of reference which was totally incompatible with the communitarian-wholisitic principles of Indian social organization. Yet others suspected ideological biases in most Western sociologists' preoccupation in their Indian studies, with the elements of discreteness and isolation in the social system to the exclusion of organic linkages and systemic bonds. There was criticism from the 'pioneers' generation of Indian sociologists of most such studies for not being concerned with issues of development and social change, the main focus being on continuity and static socio-graphy. The social conditioning of the concepts and paradigms of Indian sociology is made visible in this difference of perspectives on Indian social reality. It is also visible in the manner in which the issues of relevance were differently postulated.

1920 तथा 1930 की अवधि में भारतीय समाजशास्त्र के 'प्रवर्तकों' ने न केवल ब्रिटिश एवं यूरोपीय सैद्धान्तिक संस्कृति को प्रस्तुत किया परन्तु वे उभरती हुई राष्ट्रीय चेतना से भी बहुत अधिक प्रभावित थे। यह उनके योगदान तथा भारतीय यथार्थ की पाश्चात्य समाजशास्त्रीय व्याख्या संबंधी विभिन्न धारणाओं पर मुख्य रूप से उठाए गए प्रश्नों में प्रतिबिम्बित होती है। उदाहरणार्थ, उनमें से अधिकांश ने सार्वभौमिक विकास नीति की ऐतिहासिक विशिष्टता तथा सामाजिक गहराई को नकारते हुए, उसके द्वारा भारतीय संस्थाओं को देखने के औचित्य को चुनौती दी। कुछ विद्वानों को भारतीय सामाजिक ढाँचे को व्यष्टिक वैयक्तिक निर्देश आधार, जो कि भारतीय सामाजिक संघ के सामुदायिक समग्र सिद्धान्तों के साथ बिल्कुल असंगत था, द्वारा विश्लेषित करने के प्रयास में गंभीर कमिया पाई। कुछ अन्य विद्वानों ने सामाजिक व्यवस्था में पृथकता और अलगाव के तत्त्वों को गठन के सहसंबंधों और संपूर्ण बंधनों में से निकाल देने से भारतीय अध्ययन में अधिकांश यूरोपीय समाजशास्त्रियों की पूर्वधारणाओं में वैचारिक पूर्वाग्रहों पर संदेह व्यक्त किया। सामाजिक परिवर्तन तथा विकास के मुद्दों से संबंद्धन होने के कारण इस प्रकार के अध्ययनों का भारतीय समाजशास्त्रियों की प्रवर्त्तक पीढ़ी द्वारा आलोचना हुई, क्योंकि मुख्य केंद्र बिंदु निरन्तरता तथा स्थिर समाज आलेख (static socio-graphy) था। भारतीय समाज शास्त्र की संकल्पना और प्रतिमानों का सामाजिक अनुकूलन ने भारतीय सामाजिक यथार्थता पर परिप्रेक्ष्य के इन भेदों से दिखाई पड़ता है। यह दिखाई देता है जिस प्रकार से महत्व के मुद्दे विभिन्न प्रकार से प्रस्तुत किए गए है।

1. What influenced Indian Sociologists during 1920s and 1930s to rethink about the understanding of Indian Society by Western Sociologists ?

1920 तथा 1930 की अवधि में पाश्चात्य समाजशास्त्रियों द्वारा भारतीय समाज को समझने के लिए पुनर्विचार करने पर भारतीय समाजशास्त्रियों को किसने प्रभावित किया ?

2. What important aspects were ignored by the Western Sociologists in understanding the origin and development of Indian Institutions ?

भारतीय संस्थाओं के उद्भव और विकास को समझने में पाश्चात्य समाजशास्त्रियों ने किस महत्वपूर्ण पक्ष को उपेक्षित कर दिया ?

3. Why were Western Sociologists challenged with regard to their interpretation of Indian Social Organisation ?

भारतीय सामाजिक संगठनों की व्याख्या करने के लिए पश्चिमी समाजशास्त्रियों को क्यों चुनौती दी गई।

4. Why the Indian Sociologists suspected the ideological biases of the Western Sociologists in understanding Indian Society ?

भारतीय समाज को समझने में पाश्चात्य समाजशास्त्रियों के वैचारिक पूर्वाग्रहों पर भारतीय समाज शास्त्रियों ने संदेह क्यों व्यक्त किया ?

5. What explamations were put forth by the Indian Sociologists in criticising the Western Sociologists for wrongly interpreting Indian Social reality ?

भारतीय सामाजिक यथार्थ की गलत व्याख्या करने के लिए पाश्चात्य समाजशास्त्रियों की आलोचना करने के लिए भारतीय समाजशास्त्रियों द्वारा क्या व्याख्या प्रस्तुत की गई ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Bring about the contribution of Alfred Shultz to sociological theory.

सामाजिक सिद्धान्तों के लिए अल्फ्रेड शूल्ज के योगदान को व्यक्त कीजिए।

prepp Your Personal Exam Guide

7. Differentiate between Marxism and Neo-Marxism.

मार्क्सवाद तथा नव-मार्क्सवाद में अन्तर बताइए।

8. What is Praxis ?

क्रिया कलाप (प्रैक्सिस) से क्या तात्पर्य है?

9. Explain the concept of ethnocentricism.

जातीयकेंद्रीयकरण की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

10. Describe the term 'dominant caste'.

'प्रबलजाति' धारणा का वर्णन कीजिए।

11. Explain the concepts of poverty.
निर्धनता की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

12. Write a sociological note on intergenerational conflict.
दो पीढ़ियों के बीच के संघर्ष पर समाज शास्त्रीय टिप्पणी लिखिए।

13. Explain optimum theory of population.

जनसंख्या के अधिकतम सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

14. Explain the issue of displacement in the context of development.

विकास के संदर्भ में विस्थापन के मुद्दे का वर्णन कीजिए।

15. Differentiate between crime and deviance.

अपराध एवं विचलन में अतंर बताइए।

16. Define suicide and describe its various forms.

आत्महत्या को पारिभाषित कीजिए तथा उसके विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए।

Prepp Your Personal Exam Guide

17. Write an analytical note on Nation Building.

राष्ट्र निर्माण पर एक विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखिए।

18. Give your comments on privatisation of education.

शिक्षा के निजीकरण पर अपनी टिप्पणी दीजिए।

Your Personal Exam Guide

19. Comment on development and regional disparity in India.

भारत में विकास तथा क्षेत्रीय असमानताओं पर टिप्पणी कीजिए।

20. Describe the problem of 'ecological degradation' in India.

भारत में 'पारिस्थितिकी पतन' की समस्या का वर्णन कीजिए।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

Rural Sociology
ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Describe the significance of Peasant Studies in Contemporary India.
समकालीन भारत में कृषक अध्ययनों के महत्व का वर्णन कीजिए।

22. Write a note on transformation of Agrarian Class Structure in Rural India since Independance.
स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर ग्रामीण भारत में कृषक वर्ग संरचना के रूपान्तरण पर टिप्पणी लिखिए।

23. Explain the importance and role of Panchayati Raj Institution after the 73rd Amendment of the Constitution.
संविधान के 73 वें संशोधन के बाद पंचायती-राज संस्थाओं के महत्व और भूमिका का वर्णन कीजिए।

24. Describe any one significant Peasant Movement in India.
भारत में किसी एक महत्वपूर्ण कृषक आंदोलन का वर्णन कीजिए।

25. Discuss the impact of Industrialisation on Rural Society.
ग्रामीण समाज पर औद्योगीकरण के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

Industry and Society
उद्योग एवं समाज

21. Explain Durkheim's views on Division of Labour in Industrial Society.
औद्योगिक समाज में श्रम विभाजन पर दुर्खीम के विचारों की चर्चा कीजिए।

22. Define Organisation. Discuss different types of Formal Organisation.
संगठन को पारिभाषित कीजिए। विभिन्न प्रकार के औपचारिक संगठनों की चर्चा कीजिए।

23. What is Collective Bargaining ? Narrate different levels of Collective Bargaining in Industry.
सामूहिक सौदेबाज़ी से क्या तात्पर्य है? उद्योग में सामूहिक सौदेबाज़ी के विभिन्न स्तरों का वर्णन कीजिए।

24. Discuss the impact of Industrialisation on Family.
परिवार पर औद्योगीकरण के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

25. What is Labour Welfare ? Discuss the duties and functions of Labour Welfare Officer in an Industry.
श्रमिक कल्याण क्या है? उद्योग में श्रमिक कल्याण अधिकारी के कर्त्तव्य और प्रकार्यों की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

Sociology of Development
विकास का समाजशास्त्र

21. What is social development ? Discuss the various parameters of social development.
सामाजिक विकास क्या है? सामाजिक विकास के विभिन्न आयामों की चर्चा कीजिए।

22. Discuss Gunnar Myrdal's contributions to the theory of under development.
अल्प विकास के सिद्धान्त में गुन्नार मायरडल के योगदान की चर्चा कीजिए।

23. Illustrate with suitable examples the role of globalisation in development of India.
भारत के विकास में वैश्वीकरण की भूमिका को उचित उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

24. Traditional Indian Social structure has been responsible for gender biased development ? Comment.
परम्परागत भारत की सामाजिक संरचना लिंग आधारित विकास के लिए उत्तरदायी है। टिप्पणी कीजिए।

25. Discuss the role and relevance of culture for development.
विकास के लिए संस्कृति की भूमिका एवं महत्व की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

Population & Society
जनसंख्या एवं समाज

21. Evaluate the theory of Demographic Transition.
जनांकिकी संक्रमण सिद्धान्त (डैमोग्राफिक ट्रांसजिशन थ्योरी) का मूल्यांकन कीजिए।

22. Discuss the trends of population growth in India since 1901.
1901 से भारत में जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति के बारे में चर्चा कीजिए।

23. What is infant mortality ? Explain various factors affecting infant mortality.
शिशु मृत्यु दर से क्या तात्पर्य है? शिशु मृत्यु दर को प्रभावित करने वाले तत्त्वों की व्याख्या कीजिए।

24. Critically examine various socio-cultural factors affecting population growth.
जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक तत्त्वों की आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

25. Evaluate the various population control measures adopted by the Government since Independence.
स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर सरकार द्वारा अपनाए गए विभिन्न जनसंख्या नियंत्रण मापों का मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Elective – V
विकल्प – V

Gender & Society
लिंग और समाज

21. Discuss the implications of gendered socialisation in Society.
समाज में लिंग समाजीकरण के कार्यान्वयन की चर्चा कीजिए।

22. Discuss the impact of gender inequality on division of labour in society.
समाज में श्रम विभाजन पर लिंग असमानता के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

23. Differentiate between Liberalist and Socialist theories of gender relations.
लिंग सम्बन्धों के उदारवादी और समाजवादी सिद्धान्तों में अंतर बताइए।

24. Evaluate the role of Government in the Empowerment of Women in India.
भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण में सरकार की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

25. Enumerate the various indicators of Women's status, and explain the socio-economic indicators in detail.
महिलाओं की स्थिति के विभिन्न सूचकों का परिगणन कीजिए तथा सामाजिक आर्थिक सूचकों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

Prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Critically examine the process of criminalisation of politics and politicisation of crime in Contemporary India.

समकालीन भारत में राजनीति के अपराधीकरण की प्रक्रिया तथा अपराध का राजनीतिकरण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

OR / अथवा

Critically evaluate the science and technology policy of modern India.

आधुनिक भारत की विज्ञान और तकनीकी नीति का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

prepp Your Personal Exam Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....